Electricity-Supply to Delhi

2041. SHRI RAMSINH RATHWA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what is the quantum of electricity supplied to Delhi during the last three years;

(b) the year-wise details of the electricity-rates in terms of per unit;

(c) the amount of revenue collected after the supply of electricity during the last three years;

(d) whether it is a fact that the revenue collection does not commensurate with the supply of power; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) to (e) The quantum of energy available in Delhi and revenue collected by DESU during the last three years, is as follows:

	1990-91	1991-92	1992-93
Total Energy available (Million Units)	8484	9255	10098
Revenue collected (Rs. in crores)	525.37	773.08	837.89

The electricity tariff during the last three years is given in the Statement (*see* below). The revenue collected not being commensurate with the supply of power is due to the transmission & distribution losses, default in making the payment by consumers, disputed bills, litigation against the bills raised by DESU, etc.

Statement

Electricity Tariff of DESU during the last three Years

(Paise per unit)

Category	1990-91 (Upto 28-2-1991)	1991-92 and 1992-93 (From 1-3-1991)
DOMESTIC	27 (first 100 units) 32 (first 100 units) 75 (above 200 units)	40 (first 100 units) 50 (next 100 units) 150 (next 100 units) 200 (above 300 units)
NON-DOMESTIC		
Low Tension	89	150
High Tension	121 plus Rs. 40 per KVA	170 plus Rs. 60 per KVA
Water supply	114	137
INDUSTRIAL		
Small Industries Power (SIP)	75	125
Large Industrial Power (LIP)	139 plus Rs. 40 per KVA	200 plus Rs. 60 per KVA
Street Lighting	60	137
Agriculture	15	20

मध्य प्रदेश में विद्युत-उत्पादन में लगी इकाइयां

2042. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में विद्युत के उत्पादन में लगी ऐसी कितनी और कौन-कौन सी इकाईयां हैं जिनका निर्धारित जीवन काल समाप्त हो चुका है लेकिन जो अभी भी विद्युत-उत्पादन कर रही हैं और ये इकाइयां किस सीमा तक अनुपयोगी हो गई हैं;

(ख) क्या राज्य सरकार ने इन विद्युत उत्पादक इकाइयों को बदलने

और राज्य में नई इकाइयों स्थापित करने हेतु कोई योजना केन्द्रीय सरकार को भेजी है ; यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार को ये प्रस्ताव कब प्राप्त हुए थे और उसने उन पर क्या कार्यवाही की है।

(ग) सरकार ऐसी इकाइयों को जिनका निर्धारित जीवन काल समाप्त हो चुका है, बदलने में किन किन कठिनाईयों का सामना कर रही है; और

(घ) वर्ष 1990-91 और 1992-93 के दौरान अन्य राज्यों में ऐसी ही कितनी इकाइयों को बदला गया है और ऐसी इकाइयों को बदलने के कार्य पर अन्य राज्यों और मध्य प्रदेश में क्रमशः व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री पी० वी० रंगैया नायडू : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी :

कपड़े का उत्पादन

2043. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कपड़ा बनाने से संबंधित कार्य मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों, अर्थात् कपड़ा मिलों, विद्युत करघों और हथकरघों द्वारा किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इन तीन क्षेत्रों में कपड़े का वार्षिक औसत उत्पादन कितना है ;

(ग) तीनों क्षेत्रों में अलग-अलग कितने व्यक्ति कार्य करके अपनी रोजी-रोटी कमाते है ;

(घ) क्या सरकार ने कपड़े का उत्पादन बढ़ाने और इन तीनों क्षेत्रों में गुणवत्ता संबंधी सुधार करने हेतु कोई अध्ययन कराया है ;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में किन-किन क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं है; और

(च) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कपड़े के उत्पादन के संबंध में सरकार ने क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किये हैं और प्रत्येक क्षेत्र में कितना पूंजी निवेश किये जाने की आवश्यकता है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1992-93 (अनन्तिम) कपड़े का उत्पादन निम्नोक्त अनुसार था :

	(मि० वर्ग मीटर)
मिल क्षेत्र	2255
हथकरघा क्षेत्र	4255
विद्युतकरघा क्षेत्र	16630

(ग) वर्ष 1991-92 के दौरान इन तीन क्षेत्रों में रोजगार निम्नोक्त अनुसार था :

मिल क्षेत्र	10.56 लाख
हथकरघा क्षेत्र	100.00 लाख
विद्युतकरघा क्षेत्र	57.29 लाख

(घ) तथा (ङ) जी नहीं, तथापि, सरकार उद्योग के इन सभी तीनों क्षेत्रों के अपने अपने सहज बल को ध्यान में रखते हुए उनका विकास करने के प्रति कटिबद्ध है।

(च) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तिम वर्ष तक इन तीनों क्षेत्रों में कपड़े के उत्पादन का निम्नोक्त अनुमान लगाया गया है :—

	(मि० वर्ग मीटर)
मिल क्षेत्र	4150
विद्युतकरघा क्षेत्र	18000
हथकरघा क्षेत्र	7000

योजना आयोग ने वस्त्र क्षेत्र के लिए 1008 करोड़ रु० के योजना परिव्यय